



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 143]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 31, 2010/ज्येष्ठ 10, 1932

No. 143]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 31, 2010/JYAISTHA 10, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मई, 2010

विषय: थाईलैंड, चीनी ताइपेई तथा नार्वे के मूल के या वहाँ से निर्यातित स्टेनलेस इस्पात के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं० 14/1/2010- डीजीएडी- अल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात नियम कहा जाएगा) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने थाईलैंड, चीनी ताइपेई तथा नार्वे (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित कार्बनिक सोडा (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन के बारे में पाटनरोधी जांच शुरु करने का अनुरोध किया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग की क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं।

घरेलू उद्योग

3. यह आवेदन अल्कली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा दायर किया गया है। भाग लेने वाले उत्पादकों की ओर से वर्तमान जांच से संगत सूचना उपलब्ध कराई गई है। आवेदन करने वाली कंपनियों और याचिका को समर्थन देने वाली कंपनियों का समग्र उत्पादन, जांच अवधि के दौरान कुल भारतीय उत्पादन का 64.81% था। प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया यह निर्धारित किया है कि (क) भाग लेने वाली कंपनियों तथा समर्थन प्रदान करने वाली कंपनियों द्वारा किया जाने वाला समग्र उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है; तथा (ख) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उनकी ओर से दायर किया गया है।

4. उपर्युक्त की जांच करने के बाद प्राधिकारी प्रथम दृष्टया यह निर्धारित करते हैं कि याचिकाकर्ता नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है और इस आवेदन में नियमावली के नियम 5 के अनुसार आधार संबंधी मानदंड पूरे होते हैं।

विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान मामले में जांचाधीन उत्पाद थाईलैंड, चीनी ताइपेई तथा नॉर्वे के मूल से अथवा वहां से निर्यातित साडियम हाइड्रॉक्साइड है जिसे सामान्यतः कास्टिक सोडा (एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु भी कहा जाएगा) के रूप में जाना जाता है। कास्टिक सोडा एक अकार्बनिक रसायन है और वह झागदार, अत्यधिक क्षारीय, गंधरहित रसायन है। इसका उपयोग लुग्दी एवं कागज, अखबारी कागज, विस्कस यार्न, एल्यूमीनियम, सूत, कपड़े धोने के साबुनों, प्रक्षालक रंजक सामग्री, औषध एवं भेषज के विनिर्माण, पेट्रोलियम शोधन इत्यादि में किया जाता है। कास्टिक सोडा दो स्वरूपों अर्थात् द्रव्य एवं ठोस में उपलब्ध है। वर्तमान जांच में कास्टिक सोडा के सभी स्वरूप शामिल हैं।

6. कास्टिक सोडा आईटीसी(एचएस) कोड 2815.11 तथा 2815.12 के तहत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर इसकी किसी भी प्रकार से बाधकता नहीं है।

समान वस्तु

7. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं एवं संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित वस्तुएँ “समान वस्तुएँ” हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं तकनीकी विनिर्देशनों कार्य एवं अंतिम उपयोग के संदर्भ में तुलनीय तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इसलिए वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित कास्टिक सोडा को पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित कास्टिक सोडा के “समान वस्तु” माना जा रहा है।

शामिल देश

8. वर्तमान जांच में शामिल देश थाईलैंड, चीनी ताइपेई तथा नॉर्वे हैं।

पाटन

सामान्य मूल्य

9. सामान्य मूल्य के प्रयोजनार्थ, याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों से संबंधित आंकड़ों पर विश्वास किया है, जो उन्हें हैरिमैन केमसल्ट से प्राप्त हुए हैं जो विभिन्न रसायनों की बाजार प्रवृत्तियों तथा कीमत निर्धारण हेतु एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार कम्पनी है और विश्व के विभिन्न भागों में कास्टिक सोडा की कीमतों को प्रकाशित करती है।

10. जाँच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के दावे के अनुसार संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य पर विचार किया है।

निर्यात कीमत

11. याचिकाकर्ता ने संबद्ध देशों के संबंध में आईबीआईएस से प्राप्त सौदेवार आयात आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमतों का दावा किया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, आईएचसी प्रभार, अंतर्देशीय भाड़े, तथा कमीशन के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। प्राधिकारी याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए उक्त आंकड़े को जांच शुरुआत के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की निवल निर्यात कीमत के प्रयोजनार्थ, पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मानते हैं।

पाटन मार्जिन

12. इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना कारखाना स्तर पर की गयी है जिससे संबद्ध देशों के संबंध में अत्यधिक पाटन मार्जिन का पता चलता है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

13. याचिकाकर्ता ने वास्तविक क्षति के संबंध में विभिन्न मानदण्डों से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई है। आवेदक ने क्षमता उपयोग, लगाई गई पूँजी पर आय तथा लाभप्रदता में पाटित आयातों की संवर्धित मात्रा के कारण आई गिरावट, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री के रूप में आरोपित पाटन के परिणामस्वरूप हुई क्षति से संबंधित साक्ष्य प्रस्तुत किया है। घरेलू उद्योग को हो रही वास्तविक क्षति का पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद है और यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हो रही है।

जांच की अवधि

14. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अक्टूबर, 2008 से 31 दिसम्बर, 2009 (18 माह) है। तथापि क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008, अप्रैल, 2008-मार्च, 2009 तथा जांच की अवधि शामिल है।

सूचना प्रस्तुत करना

15. संबंधित समझे जाने वाले निर्यातकों तथा आयातकों और घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है। वर्तमान जांच में भाग लेने हेतु इच्छुक कोई अन्य पक्षकार नीचे दिए पते पर लिख सकता है:

निर्दिष्ट प्राधिकारी
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)
भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011

समय सीमा

16. इस जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँच जाए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

17. नियम 6(7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर की सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

18. सभी हितबद्ध पक्षकार उक्त नियमों के नियम 7(1) के अनुसार उपलब्ध कराई गई गोपनीय सूचना के लिए नियम 7(2) के अनुसार अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराएंगे।

19. ऐसे मामलों में जहाँ हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना देने से इंकार करते हैं अथवा अन्य प्रकार से सूचना उपलब्ध नहीं कराते हैं अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालते हैं तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को ऐसी सिफारिश कर सकते हैं जिन्हें वे उचित समझते हैं।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 31st May, 2010

Sub:- Initiation of anti-dumping investigation on imports of Caustic Soda originating in or exported from Thailand, Chinese Taipei and Norway.

No.14/1/2010-DGAD – Alkali Manufacturers Association of India, New Delhi have filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Caustic Soda (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Thailand, Chinese Taipei and Norway (hereinafter referred to as subject countries).

2. AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods by the subject countries, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequential injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2058 91/10-2

Domestic Industry

3. The application has been filed by Alkali Manufacturers Association of India, New Delhi as domestic industry. Information relevant to the present investigation has been provided on behalf of participating producers. The production of the applicant companies and that of companies expressing support for the petition, taken together, account for 64.81% of total Indian production during the POI.

The Authority has prima facie determined that (a) production of the participating companies and supporting companies taken together constitute a major proportion of Indian production and ; (b) the application has been made by or on behalf of the domestic industry.

4. The Authority after examining the above, prima facie determines that the petitioner constitutes domestic Industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules.

Product under consideration

5. The product under investigation in the present case is Sodium Hydroxide commonly known as Caustic Soda (also referred to as subject goods hereinafter), originating in or exported from Thailand, Chinese Taipei and Norway. Caustic Soda is an inorganic chemical and is soapy, strongly alkaline, odourless chemical and finds application in manufacture of pulp and paper, newsprint, viscose yarn, aluminum, cotton, laundry soaps, detergent, dyestuffs, drugs and pharmaceuticals, petroleum refining, etc. Caustic Soda is available in two forms i.e. Lye and solids. The present investigation covers all forms of Caustic soda.

6. Caustic Soda is classified under ITC(HS) Codes 2815.11 and 2815.12. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Like Articles

7. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of physical, technical specifications, functions or end-uses. Therefore, for the purpose of investigation, the Caustic Soda produced by the applicant companies is being treated as like articles of Caustic Soda imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved

8. The countries involved in the present investigation are Thailand, Chinese Taipei and Norway.

Dumping**Normal Value**

9. For the purpose of normal value, the petitioner has relied upon the data relating to domestic prices of the subject goods in subject countries, sourced from Harriman Chemsult, which is a leading international consulting company in market trends and pricing in various chemicals and which publishes prices of Caustic Soda in different parts of the world.

10. For the purpose of initiation, the Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods in subject countries as claimed by the petitioner.

Export Price

11. Petitioner have claimed export prices on the basis of transaction-wise import data in respect of subject countries obtained from IBIS. Adjustments have been claimed on ocean freight, marine insurance, THC charges, inland freight and commission to arrive at the export price at ex-factory level. The Authority considers the said data furnished by the petitioner as sufficient prima facie evidence of the net export price of the subject goods from the subject countries for the purpose of initiation.

Dumping Margin

12. There is sufficient prima facie evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries. Normal value and export price have been compared at ex-factory level which shows significant dumping margin in respect of subject countries.

Injury and Causal Link

13. The petitioner has furnished information on various parameters relating to material injury. The applicant has furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in capacity utilization and negative return on capital employed and substantial decline in profitability because of increased volume of dumped imports, price undercutting and price underselling from the subject countries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the domestic industry and the same being caused by dumped imports from subject countries.

Period of Investigation

14. The period of investigation (POI) is 1st October, 2008 to 31st December 2009 (15 months) for the purpose of present investigation. The injury investigation will however cover the periods April, 2006–March, 2007, April, 2007–March, 2008, 2008–09 and the POI.

Submission of information

15. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

**The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)
Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.**

Time limit

16. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

17. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

18. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

19. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority